नागवंशी शासन व्यवस्था

❖सुतिया नागखंड का अंतिम राजा मदरा मुण्डा ने पड़हा के पदाधिकारियों की सहमति से अपने दत्तक पुत्र फनीमुकुट राज को सत्ता सौंप दी ।

➢ यह सत्ता स्थानांतरण किसी जनजाति राजा द्वारा गैर जनजाति को सत्ता सौपने का अद्भूत उदाहरण है ।

नागवंश की स्थापना

➢ 64 ई. (प्रथम सताब्दी)

➢ संस्थापक – फनीमुकुट राय

➢ प्रथम राजधानी – सुतियाम्बे

➢ नागवंशीयो की शासन व्यवस्था मुण्डाओं की शासन व्यवस्था में बिना कुछ बड़ा बदलाव किए संचालित होने लगी । भू–व्यवस्था व कर व्यवस्था में भी कोई परिवर्तन नही हुआ ।

नागवंशी शासन व्यवस्था में बड़े परिवर्तन

➢ नागवंशी क्षेत्रों में मुगलों के आक्रमण के पश्चात इसके शासन में परिवर्तन होना प्रारंभ हुआ ।

© Click on :- Career foundation

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

- सन् 1616 ई. में जहांगीर के काल में इब्राहिम खां के नेतृत्व में नागवंशी क्षेत्र में आक्रमण हुए । इस समय नागवंश का राजा दुर्जन साल था ।
- कर ना देने के कारण दुर्जन साल को कैद कर लिया गया ग्वालियर के किले में रखा गया ।
- 12 वर्षो बाद दुर्जन साल को 6000 रू सलाना दने के एवज में रिहा किया गया ।

नागवंशी शासन व्यवस्था में परिवर्तन

- मुगल सेना द्वारा नियमित नजराना वसुला जाने लगा जिसमें मालगुजारी कहते थे ।
- जब नागवंशी राजा पर मालगुजारी का भार बढा तो वे अपनी राज्य की प्रजा से नियमित मालगुजारी वसुलने लगे ।
- बाद में मुगलों को दिया जाने वाला मालगुजारी अनियमित हो गया जिसे नजराना/पेशकश कहा जाने लगा ।
- पड़हा को पट्टी कहा जाने लगा तथा पड़हा राजा जिसे मानकी भी कहते थे उसे भूंइहर कहा जाने लगा ।
- प्रारंभ में मालगुजारी वसुलने का काम भूंइहर को दिया गया और उनके अन्य अधिकारों में कटौती की गई ।
- बाद में मालगुजारी वसुली के लिए जागीरदार की नियूक्ति की गई।

© Click on :- Career foundation

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

नोट – मुण्डा शासन में चल रही मानकी मुण्डा व्यवस्था भूंईहरी व्यवस्था में बदल गई ।

नोट – डॉ. बी.पी केशरी की किताब "छोटानागपुर का इतिहास : कुछ संदर्भ तथा कुछ सुत्र में नागवंशी शासन व्यवस्था के अंतर्गत काम करने वाले अधिकारियों का वर्णन मिलता है ।

ग्रामीण स्तर

- ग्रामीण स्तर पर 22 अधिकारियों का वर्णन है ।
- महतो– गांव का सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति
- भंडारी – राजा के गांव में खेती बारी करने तथा अन्न के भंडारन के लिए नियुक्ति
- भंडारिक – भंडार गृह का प्रहरी

पट्टी स्तर

- पड़हा को पट्टी कहा जाने लगा तथा इस स्तर पर काम करने वाला मुख्य मानकी को भूंइहर कहा जाने लगा ।
- जारीदार – लगान वसुली के लिए नियुक्त किया गया
- पाहन – किसी भी आयोजन की व्यवस्था करना जैसे – बली , भोज , प्रसाद
- पटवारी तथा अमीन – प्रशासन की देख रेख के लिए

राज्य स्तर

नागवंशी राजा – महाराज

- दीवान – वित्तिय मामलों का प्रमुख
- पांडेय – राजा की अनुमती से लिए गए निर्णय को मौखिक रूप से सभी को अवगत करना ।

➢ 1765 ई. में बंगाल, बिहार, उड़िसा की दीवानी अंग्रेजो को मिलने और 1793 में स्थाई बंदोबस्ती कानून लागु होने के पश्चात जमींदार भूस्वामी बन गए और जंगलों पर उनका अधिकार हो गया ।

➢ जमींदारी व्यवस्था लागु होने के पश्चात नागवंशी शासन व्यवस्था कमजोर पड़ गई तथा मुण्डा मानकियों का महत्व धार्मिक क्रियाकलापों तक सिमट गया ।

➢ 1963 में जमींदारी उन्मूलन कानून लागु होने के बाद नागवंश का अंत हो गया ।

❖ नगवंश का अंतिम राजा – चिंतामनी शरन नाथ शाहदेव

❖ अंतिम राजधानी – रातु गढ

© Click on :- Career foundation

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888